जिस तरह पिछले 23 वर्षों से क्रिकेट की दुनियाँ में सचिन तेंदुलकर प्रथम स्थान पर हैं ठीक उसी तरह से पिछले 33 वर्षों से पाराडाईज इंस्टीच्यूट, पटना इंजीनियरिंग एवं मेडिकल कोचिंग की दुनियाँ में प्रथम स्थान पर है। पिछले 33 वर्षों में हमनें लगभग 20 हजार इंजीनियर, 9 हजार डॉक्टर एवं 100 IAS और IPS बनाये जो भारत के विभिन्न शहरों में DM एवं SP के पद पर कार्यरत हैं। पिछले 33 वर्षों से इंजीनियरिंग एवं मेडिकल प्रवेश परीक्षा की तैयारी करने वाले 90% छात्र-छात्रा पाराडाईज इंस्टीच्यूट के बैच में एडमिशन बंद होने के बाद ही पटना के किसी दूसरे कोचिंग संस्थानों में एडमिशन लेते हैं क्योंकि पटना के 90% कोचिंग संस्थानों के संचालक एवं शिक्षक पाराडाईज इंस्टीच्यूट पटना से ही इंजीनियरिंग एवं मेडिकल की प्रवेश परीक्षा की तैयारी करके इंजीनियर एवं डॉक्टर बने हैं। दिल्ली एवं कोटा में इंजीनियरिंग एवं मेडिकल प्रवेश परीक्षा की तैयारी कराने वाले लगभग सभी कोचिंग संस्थानों में भी पाराडाईज इंस्टीच्यूट से ही पढ़कर इंजीनियर एवं डॉक्टर बने छात्र पढ़ा रहे हैं। यह पाराडाईज इंस्टीच्यूट की प्रमाणिकता को साबित करता है।

प्रत्येक वर्ष की तरह 2012 में भी पाराडाईज इंस्टीच्यूट के छात्रों-छात्राओं ने CBSE-PMT Preliminary Exam. 2012 में सफलता का परचम लहराया। लक्ष्य 50 बैच के 50 छात्रों-छात्राओं में से 46 सफल घोषित। कुल 1932 छात्र इस वर्ष CBSE-PMT Preliminary Exam.-2012 में शामिल हुए थे इनमें से 923 छात्रों ने सफलता हासिल की है। किसी भी इंजीनियरिंग एवं मेडिकल प्रवेश परीक्षा के रिजल्ट आने के दो दिन के अन्दर ही किसी भी कोचिंग संस्थान के अखबार में छपने वाले रिजल्ट पर भरोसा करें। दिल्ली में इंजीनियरिंग एवं मेडिकल प्रवेश परीक्षा की तैयारी कराने वाले अधिकांश कोचिंग संस्थान किसी भी रिजल्ट के आने के 6 से 7 दिन के बाद रिजल्ट विभिन्न अखबारों में छापते हैं, जो इस बात की ओर इशारा करता है कि ये सभी रिजल्ट खरीदकर अखबारों में छापे गए हैं। ऐसे कोचिंग संस्थानों से सावधान रहें जो रिजल्ट निकलने के 6 से 7 दिन के बाद रिजल्ट छापकर छात्रों-छात्राओं एवं अभिभावकों को गुमराह करते हैं। पटना के कुछ कोचिंग संस्थान ऐसे भी हैं जो एक समुह में छात्रों-छात्राओं के फोटो बगैर नाम, रौल नम्बर एवं डेट ऑफ बर्थ के छापते हैं। ऐसे कोचिंग संस्थानों से भी छात्रों-छात्राओं एवं अभिभावकों को सावधान रहना चाहिए। पिछले 1 वर्ष से पटना में ऐसे भी कोचिंग संस्थान पनप गए हैं जो दिल्ली, कोटा एवं हैदराबाद से IIT-JEE, AIIMS एवं CBSE में रैंक लाने वाले छात्रों को खरीदकर अपने पक्ष में सेमिनार करबाते हैं जो सच्चाई से परे हैं। ऐसे कोचिंग संस्थान पुरे समाज को गुमराह करने का काम कर रहे हैं। पिछले 33 वर्षों से पाराडाईज इंस्टीच्यूट छात्रों-छात्राओं एवं अभिभावकों को सावधान करता चला आ रहा है ताकि छात्रों-छात्राओं को सही मार्गदर्शन मिल सके। पिछले 5 वर्षों में पटना में कुकुरमुत्ते की तरह पनपे कोचिंग संस्थानों से सावधान! अब छात्रों-छात्राओं एवं उनके अभिभावकों को भटकने की कोई आवश्यकता नहीं।

आज शिखर-50 बैच एवं लक्ष्य-50 बैच किसी परिचय का मोहताज नहीं है। पिछले 15 वर्षों से शिखर-50 बैच एवं लक्ष्य-50 बैच का संचालन पाराडईज इंस्ट्च्यूट, पटना के संचालक इंजीनियर कुमार अजित के द्वारा किया जा रहा है। पिछले वर्ष शिखर बैच के 50 छात्रों-छात्राओं में से 43 छात्रों-छात्राओं का चयन IIT-JEE–2011 की प्रवेश परीक्षा में हुआ एवं लक्ष्य बैच के 50 छात्रों-छात्राओं में से 39 छात्रों-छात्राओं का चयन CBSE-PMT-2011 की प्रवेश परीक्षा में हुआ था। इस वर्ष भी हमें आशातीत सफलता की उम्मीद है। शिखर-50 बैच एवं लक्ष्य-50 बैच में चयनित सभी छात्रों-छात्राओं को शिक्षा व आवासीय सुविधा आईआईटीयंस एलुमनाई द्वारा उपलब्ध कराया जाता है।